**भारत सरकार**

**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 710**

**सोमवार, दिनांक 27 जुलाई, 2015 को उत्तर देने हेतु**

**सौर ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता वृद्धि**

710. **श्री विजय जवाहरलाल दर्डाः** क्या **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार वर्ष 2022 तक 1,00,000 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि करने का विचार रखती है और यदि हां, तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिकल्पित कार्य योजना सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार की इस क्षेत्र में विदेशी निवेश लाने की योजना है;

(ग) महाराष्ट्र विशेष तौर पर विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में कितनी क्षमता वृद्धि किए जाने की संभावना है;

(घ) इस क्षेत्र में प्रतिबद्ध निवेश सहित घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा निवेशकों/कंपनियों को प्रोत्साहित करने तथा हरित ऊर्जा की संभावना का दोहन करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

**उत्‍त्‍ार**

**विद्युत, कोयला तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

1. जी हां। सरकार द्वारा राष्ट्रीय सौर मिशन के अंतर्गत ग्रिड संबद्ध सौर विद्युत परियोजनाओं के लिए लक्ष्य को वर्ष 2022 तक 20000 मेगावाट से संशोधित कर वर्ष 2022 तक 1,00,000 मेगावाट किया गया है। 100 गीगावाट के संशोधित लक्ष्य को वितरित रूफटॉप सौर परियोजनाओं तथा मध्यम और वृहत स्तरीय सौर परियोजनाओं की संस्थापना कर प्राप्त किए जाने की योजना है जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया हैः-

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **श्रीणी-I** | **प्रस्तावित क्षमता (मेगावाट)** | **श्रेणी-II** | **प्रस्तावित क्षमता (मेगावाट)** |
| रूफटॉप सौर | 40,000 | बेरोजगार युवाओं और किसानों द्वारा सौर ऊर्जा परियोजनाओं से विकेंद्रित उत्पादन हेतु योजना | 10000 |
| सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम | 10000 |
| बड़े निजी क्षेत्र/आईपीपी | 5,000 |
| सेकी | 5,000 |
| राज्य नीतियों के अंतर्गत | 20,000 |
| पूर्व की उपलब्धियों सहित वर्तमान कार्यक्रमों के अंतर्गत | 10,000 |
| **कुल** | **40,000** |  | **60,000** |

मंत्रालय ने वर्ष 2022 तक 1,00,000 मेगावाट क्षमता प्राप्त करने के लिए वर्ष-वार लक्ष्य तैयार किया है जो नीचे दिया गया हैः-

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| वर्ष | रूफटॉप परियोजनाएं (मेगावाट) | ग्राउंड माउंटेड सौर विद्युत परियोजनाएं (मेगावाट) | कुल (मेगावाट) |
| 2015-16 | 200 | 1800 | 2000 |
| 2016-17 | 4800 | 7200 | 12000 |
| 2017-18 | 5000 | 10000 | 15000 |
| 2018-19 | 6000 | 10000 | 16000 |
| 2019-20 | 7000 | 10000 | 17000 |
| 2020-21 | 8000 | 9500 | 17500 |
| 2021-22 | 9000 | 8500 | 17500 |
| कुल | 40000 | 57000 | 97000\* |

\* दिनांक 31.03.2015 तक 3743 मेगावाट क्षमता लगाई जा चुकी है।

(ख) भारत में पंजीकृत सभी कंपनियों को इस क्षेत्र में निवेश करने की अनुमति है और इन कंपनियों में वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार विदेशी निवेश की अनुमति दी जाती है।

(ग) महाराष्ट्र में वर्तमान वर्ष में लगभग 25 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई है।

(घ) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 15 से 17 फरवरी 2015 के दौरान पहले वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक प्रोत्साहन सम्मेलन (आई-इन्वेस्ट 2015) आयोजित किया गया था। आरई-इन्वेस्ट 2015 पहल के एक भाग के रूप में 387 कंपनियों/फर्मों (निजी और सार्वजनिक, दोनों क्षेत्रों से) ने अगले पांच वर्षों के दौरान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में कुल 270 गीगावाट से अधिक क्षमता के लिए हरित ऊर्जा प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं।

(ङ) सरकार द्वारा निवेशकों/कंपनियों को बढ़ावा देने तथा हरित ऊर्जा की संभाव्यता का समुपयोग करने हेतु उठाए गए कदम नीचे दिए गए हैः

1. ऑफग्रिड अनुप्रयोगों पर सब्सिडी प्रदान करना।
2. राष्ट्रीय शुल्क-दर नीति में सौर ऊर्जा के लिए अक्षय विद्युत खरीद बाध्यता का प्रावधान।
3. ग्रिड संबद्ध सौर एवं पवन विद्युत परियोजनाओं के लिए समय-समय पर घोषित विभिन्न अंतःक्षेपों के माध्यम से उत्पादन आधारित प्रोत्साहन तथा विद्युत की बंडलिंग की सुविधा।
4. सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने के लिए रियायती आयात शुल्क/उत्पाद शुल्क से छूट, त्वरित मूल्य ह्रास और करावकाश।
5. जागरुकता कार्यक्रम जैसे प्रदर्शनियों, प्रशिक्षण कार्यशालों आदि का आयोजन किया जा रहा है।
6. नई प्रौद्योगिकियों तथा दक्षता में सुधार के लिए कई अनुसंधान और विकास प्रयास किए गए हैं।
7. निजी सौर विद्युत विकासकर्त्ता अपनी वित्तीय स्थिति और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर प्रौद्योगिकी का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं।